B-3
L-6
Indian Society

02/12/202

संभावित प्रश्न

प्रश्न - "भारत में परम्परा एवं आधुनिकता का सह-अस्तित्व है।" चर्चा कीजिए।

उत्तर

Part-1 : परम्परा एवं आधुनिकता के तत्वों की चर्चा (संक्षिप्त) — 50 शब्द

Part-2 : परम्परा एवं आधुनिकता के सह-अस्तित्व की चर्चा (विस्तृत) 80-90 शब्द

Part-3 : समीक्षा → 110 शब्द

- निश्चित रूप से दोनो का सह-अस्तित्व है। → 10-15 शब्द
- यह भी सत्य है कि परम्परा ने आधुनिकता के साथ अनुकूलन किया है। - 20-25 शब्द
- परन्तु यह भी सत्य है कि आधुनिकता भारतीय परम्परा को विखंडित कर रही है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

प्रश्न-2- भारतीय समाज की आधुनिकता एक छद्म आधुनिकता (Pseudo Modernism) है।" चर्चा कीजिए।

उत्तर -

Part-1 : समकालीन भारतीय समाज में आधुनिकता ने बाहरी स्वरूपों को अधिक प्रभावित किया है; जैसे - 1. खान-पान - पिज्जा, बर्गर
2. पहनावा - जींस, टॉप
3. भाषा - Hinglish (English और हिन्दी)
4. नवीन यांत्रिक साधनो का प्रयोग - मोबाइल

लैपटाप, हेडफोन आदि।

Part-II :- परंतु बौद्धिक आधुनिकता का अभाव रहा है, जैसे -

1. जाति अन्तः विवाह (Endogamy) की अधिकता और अन्तर्जातीय विवाह का विरोध
2. खाप पंचायत द्वारा प्रतिष्ठा हत्या
3. अंध-विश्वास एवं रूढ़िवाद का बोल-बाला
4. धार्मिक रूढ़िवाद और साम्प्रदायिकता
5. पितृसत्तात्मकता से जुड़े पक्षों की निरंतरता
6. जातिवाद एवं जाति-संघर्ष

Part-III :- समीक्षा

1. निश्चित रूप से आधुनिकीकरण के परिणाम-स्वरूप समकालीन भारत में वैचारिक पक्षों अपेक्षित बदलाव नहीं आया है, इसलिये इसे वास्तविक आधुनिकता नहीं कहा जा सकता है।
2. इसके लिए कमजोर सामाजिक अवसंरचनाएँ और संस्कृति के अभौतिक पक्ष में परिवर्तन की धीमी गति मुख्य रूप से उत्तरदायी है।
3. परंतु कालांतर में सामाजिक अवसंरचनाओं के विकास के साथ-साथ वास्तविक आधुनिकता स्वतः स्थापित हो जायेगी।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

जाति व्यवस्था

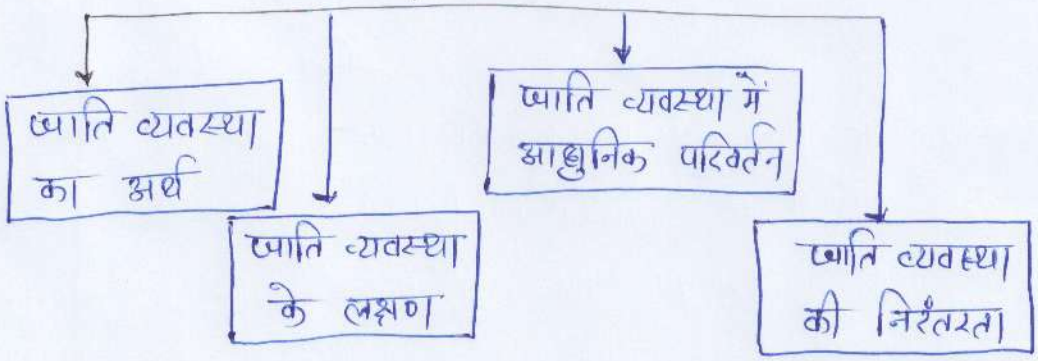

A. जाति व्यवस्था का अर्थ

परम्परागत भारतीय समाज में विद्यमान श्रम विभाजन, असमानता एवं सोपान की एक व्यवस्था को जाति व्यवस्था कहा जाता है।

B. जाति व्यवस्था के लक्षण

1. भारतीय समाज का खण्डात्मक विभाजन
2. जन्मजात सदस्यता
3. अन्तर्विवाह के नियम
4. जन्मजात और प्रतिबंधित पेशा
5. खान-पान एवं सामाजिक संबंध से जुड़े प्रतिबंध
6. विशेषाधिकार एवं निर्योग्यताएँ
7. सोपानिकता (सोपान क्रम)

C. जाति व्यवस्था में आधुनिक परिवर्तन

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR